



**CHAMAN LAL MAHAVIDYALAYA, LANDHAURA,
MANGLAUR ROAD, HARIDWAR.(AUTONOMOUS)
AFFILIATED**

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRIGARHWAL,UTTARAKHAND



**M.A -HINDI
SYLLABUS
2025-26**

Dr. PRENNA PANDAY
mu

SP

**CHAMAN LAL MAHAVIDHYALAYA, LANDHAURA,
MANGLAUR ROAD, HARIDWAR.(AUTONOMOUS)
AFFILIATED**

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRIGARHWAL,UTTARAKHAND

List of Members of Board of Studies

Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1.	Dr.Meera Chourasia	Asst. Professor (Head)	Convener <i>meera</i>
2.	Dr. Prerna Pandey	Asst. Professor	Expert <i>Prerna</i>
3.	Dr. Ajeet Tomar	Asst. Professor	Expert <i>Tomar</i>
4.	Shri Ashutosh Sharma	Asst. Professor	Member <i>Sharma</i>
5.	Saloni	Alumini	Member

① PG Diploma/Honours/Honours in the Core Subject - HINDI

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : भारतीय काव्यशास्त्र	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: -HINDI

Year: IV

Semester: VII Paper-DSC

Course Code: DSC7 Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र

Course Outcome

CO1. निम्नार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की अत्यन्त समृद्ध परम्परा का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. निम्नार्थी काव्य लक्षणों, काव्य हेतु तथा काव्य प्रयोजनों के अध्ययन से कविता के शिल्प और विषयवस्तु से लेकर उसके पृष्ठ सामाजिक उद्देश्यों तक आलोचना का ज्ञान व निरीक्षण प्राप्त करता है।

Handwritten signatures and initials

CO-3. विभिन्न काव्य तत्वों के संधान के आधार पर परम्परा में आचार्यों ने काव्य विवेचन किया, फलस्वरूप रस, अलंकार, रीति, छानि, वक्रोक्ति एवं औचित्य सम्बन्धी प्रश्नों में आप, जो पहिली काव्य चिन्तन में इस विस्तार के साथ नहीं मिलती। शिक्षार्थी इन काव्य सम्प्रदायों के अध्ययन से भारतीय परम्परा में काव्य चिन्तन की विवक्षितता, गहनता और वैज्ञानिक विस्तार का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Course		No. of Hours
Unit	Topic	
Unit I	काव्यशास्त्र: परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य भेद।	10
Unit II	रस सम्प्रदाय: रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण	10
Unit III	अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय	10
Unit IV	छानि सम्प्रदाय	10
Unit V	वक्रोक्ति सम्प्रदाय एवं औचित्य सम्प्रदाय।	10
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		10

सहायक ग्रंथ-

1. भारतीय एवं पारचात्य काव्यशास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ याली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Free
copy
for
all

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

GROUP: I

Programme: -HINDI

Year: IV Semester: VII Paper-DSE

Course Code: DSEs

Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट को परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पद्यों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।

Handwritten signature and initials

(2)

CO4. शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संनकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करना है।

CO5. शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करना है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives	
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा. डॉ. विद्यानाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)	10	
Unit II	नंदबख्श: (रेवा तट) पृथ्वीराज रासो	10	
Unit III	विद्यापति: संपा. शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन) लोकमाली प्रकाशन, इलाहाबाद।)	10	
Unit IV	कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साधियों एवं प्रारम्भ के 5 पद) विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)	10	
Unit V	मलिक मुहम्मद जायसी: पद्मावत - संपा. वासुदेवराज अग्रवाल, लोकमाली प्रकाशन, इलाहाबाद (व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड।)	10	
		(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	
		10	

सहायक ग्रंथ -

1. संदेश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो - भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर - एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकमाली प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य - अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक - प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

(Handwritten signatures and initials)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Tracelice		
DSE : सगुण मत्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

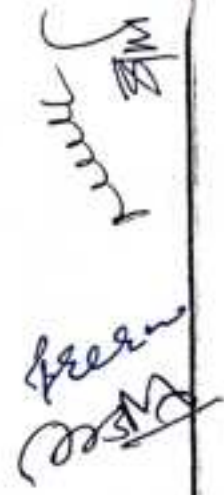
Programme : -HINDI

Year: IV Semester: VII Paper- DSE

Course Code: DSE⁶ Course Title: सगुण मत्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी मध्यकालीन सगुण भक्तिपारा व उगकी गाथाओं में रीतिकालीन काव्य तक की विभिन्न पंक्तियों का ऐतिहासिक परिवर्तन एवं वैदिकान्तरिक्त ज्ञान प्रस्तुत करता है।
- CO2. शिक्षार्थी मुरदान की रचनाओं का अध्ययन कर सगुण पारा की कृष्णभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है तथा मुरदान के काल में प्रचलित अर्जुन और जीवन के लोक स्वप्न का साक्षात्कार कर पर्यावरण की सुन्दरता व उसके संरक्षण की आवश्यकता के महत्व को समझता है।
- CO3. शिक्षार्थी तुलसी दास के बाव्य का अध्ययन कर सगुण पारा की सम्पत्ति शाखा का आलोचनात्मक व ऐतिहासिक ज्ञान तथा विभिन्न धार्मिक-सांस्कृतिक सम्प्रदायों व काल के बीच सम्बन्ध की स्पष्टि प्राप्त करता है। यह सम्बन्धव्यव्ती स्पष्टि शिक्षार्थी अपने निजी जीवन के भी विभिन्न क्षेत्रों में सकलता दिनु सहायक होती है।
- CO4. शिक्षार्थी केशवदास के काव्य के अध्ययन से भारतीय काव्यशास्त्र का परम्परागत ज्ञान प्राप्त करता है।



(6)

CO5. शिक्षा की विहाती के काव्य के अध्ययन से कविता में भाषा में सितकथन व अंतर्गतों के सटीक प्रयोग का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है, जिनसे उनमें काव्यात्मक अभिरुचि का विकास एवं विस्तार होता है।

CO6. शिक्षा की घनानंद की कविता के अध्ययन से सामाजिक रुढ़ियों के बीच प्रेम की विलक्षण अनुभूति से परिचित होता है, जिससे वह तत्कालीन से लेकर समकालीन समाज तक की सम्बन्ध आधारित जटिल संरचना के ज्ञान के साथ ही विवेचन की मनोवैज्ञानिक समझ भी प्राप्त करता है।

Credits: 4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	सूरदास: प्रमगीत सार: संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 75 तक) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।	10
Unit II	मुलसीदास: विषयवृत्तिका: (व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 75 तक) भीमसेन गोखले।	10
Unit III	मेरावदास: संक्षिप्त रामचंद्रिका: संपा. डॉ. जगन्नाथ तिवारी। (व्याख्या हेतु अयोध्यापुरी वर्णन) रजन प्रकाशन, सिद्धी स्टेशन मार्ग आगरा।	10
Unit IV	विहारी: बिहारी रत्नाकर: संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर (व्याख्या हेतु प्राथमिक 25 दोहे) प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।	10
Unit V	घनानंद: घनानंद कविता: संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 15 छंद)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक प्रश्न -

1. भक्ति आंदोलन और भक्तिकव्य : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मेरावदास : विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Handwritten signatures and initials.

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी आलोचना	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: - Hindi

Course Code: DSE7

Course Title: हिन्दी आलोचना

Year: IV

Semester: VII Paper- DSE

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी हिन्दी आलोचना के विकास क्रम का अध्ययन करते हुए आलोचना परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि और सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए ऐतिहासिक, संवैधानिक और व्यावहारिक आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि और सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए साहित्येतिहास की मौलिक समझ और ऐतिहासिक-संवैधानिक आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचना सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए हिन्दी में प्रागैतिहासिक आलोचना, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा भाषा एवं समाज के अन्तःसम्बन्धों का आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

- CO5. शिक्षार्थी नामवर सिंह के आलोचना सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए हिन्दी की मार्क्सवादी- प्रगतिशील आलोचना, नयी समीक्षा तथा हिन्दी में पाठ्यार्थ आलोचना सिद्धान्तों के अनुसंधानों का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO6. शिक्षार्थी मुक्तिबोध के आलोचना कर्म का अध्ययन करते हुए कागावनी जैसे आधुनिक महाकाव्यों तथा आधुनिक कविता के आलोचना सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करना है।
- CO7. शिक्षार्थी डॉ. नगेन्द्र के आलोचना कर्म का अध्ययन करते हुए भारतीय परम्परा के रस सिद्धान्त की आधुनिक व्याख्या तथा प्राचीन पाठ्यार्थ काव्यात्मक परम्परा के नवीन अनुसंधान का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4

Discipline Specific Electives	
Unit	Topic
Unit I	हिन्दी आलोचना : परिचय, उद्भव एवं विकास
Unit II	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के आलोचना सिद्धान्त
Unit III	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचना सिद्धान्त
Unit IV	डॉ. रामवितास शर्मा के आलोचना सिद्धान्त
Unit V	नामवर सिंह के आलोचना सिद्धान्त
Unit VI	विशेष अध्ययन : मुक्तिबोध एवं डॉ. नगेन्द्र का आलोचना कर्म
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)
	No. of Hours
	10
	10
	8
	8
	8
	8
	8

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी आलोचना - शिखरों का साक्षात्कार - रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी आलोचना का विकास - मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Free
well
3m

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial/Practical		
DSE : हिन्दी शोध प्रविधि	4	3	1	0	Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: - Hindi

अथवा

Year: IV Semester: VII Paper: DSE

Course Code: DSE7 A Course Title: हिन्दी शोध प्रविधि

Course Outcomes:

- CO1- शिक्षार्थी को हिन्दी की शोध प्रविधि का परिचय प्राप्त होता है।
- CO2- शिक्षार्थी को अनुसंधान की अवधारणा, क्षेत्रों तथा प्रयोजन का ज्ञान प्राप्त होता है।
- CO3- शिक्षार्थी को अनुसंधान के प्रकार एवं पद्धतियों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।
- CO4- शिक्षार्थी को अनुसंधान की स्पर्द्धा योजना तथा शोध प्रबंध लेखन का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।

Credits: 4

Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
		63

Handwritten signatures and marks

(10)

Unit I	अनुसंधान का स्वरूप, अवधारणा और उसके विविध क्षेत्र, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान तथा आलोचना	10
Unit II	अनुसंधान के प्रकार और उसकी पद्धतियाँ : ऐतिहासिक, भाषा वैज्ञानिक एवं शैली वैज्ञानिक, तुलनात्मक, समाजशास्त्रीय, अंतराव्यवसायिक, मनोवैज्ञानिक, काव्यशास्त्रीय, पाठानुसंधान एवं पाठालोचन	10
Unit III	साहित्यिक अनुसंधान की मूल-दृष्टि और उसके तत्व	10
Unit IV	अनुसंधान के चरण: विषय चयन, विषय की रूपरेखा (अध्याप्य योजना), सामग्री संकलन और उसका उपयोग, शोध साहित्य-नमीका	10
Unit V	शोधकार्य की प्राकल्पना, उद्देश्य, और महत्व	8
Unit VI	शोध प्रबंध लेखन: शोध प्रबंध की आंगिक व्यवस्था, सामग्री का विभाजन तथा संयोजन, उद्धरण तथा संदर्भ-उल्लेख, उपसंहार, परिशिष्ट, ग्रंथ सूची एवं अनुक्रमणिका	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	4

पाठ्यपुस्तक

1. अनुसंधान प्रविधि - सिद्धांत और प्रक्रिया- एस. एन. गणेशन, एनकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil
PG Diploma/Honours in the Core Subject						
GROUP-2						
Programme: -HINDI						
Course Code: DSE ³						
Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य						
Course Outcomes:						
CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेश रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।						
CO2. शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।						
CO3. संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा भक्ति भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।						

[Handwritten signatures and initials]

[Discipline Specific Electives]		
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अद्भुत रहस्य: संदेश रासक, संपा. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)	10
Unit II	भंदरदाह: (रेखा उद) पृथ्वीराज रासो	10
Unit III	विद्यापति: संपा. निजप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)	10
Unit IV	कबीरदास: कबीर बाणी पीयूष, संपा. जगदेव सिंह/वागुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साधियों एवं प्रारम्भ के 5 पद) विधिविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)	10
Unit V	नलिक मुहम्मद जायसी: पद्यावत - संपा. वासुदेवराज अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (व्याख्या हेतु केवल 'नागमती विजोग' वर्णन खंड।)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

उद्देश्यक श्रेय -

1. संदेश रासक : हनारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो- नापा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : इजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर - एक नई दृष्टि : लुक्करा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, बाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य -अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवास्तिक प्रकाशन, दिल्ली

(19)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : सगुण भक्तिकाव्य एवं ऐतिहासिक काव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: HINDI

Year: IV

Semester: VII Paper-
DSE

Course Title: सगुण भक्तिकाव्य एवं ऐतिहासिक काव्य

Course Code: DSE6

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी मध्यकालीन सगुण भक्तिकथा व उसकी शाखाओं से ऐतिहासिक काव्य तक की विभिन्न धाराओं का ऐतिहासिक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी सूक्तों की रचनाओं का अध्ययन कर सगुण धारा की कृष्णभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है तथा सूक्तों के ज्ञान से उनकी प्रकृति और जीवन के लोक स्वरूप का साक्षात्कार कर पर्यावरण की सुन्दरता व उसके संरक्षण की अनिवार्यता के महत्व को समझता है।

CO3. शिक्षार्थी तुलसी दास के काव्य का अध्ययन कर सगुण धारा की रामभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान तथा विभिन्न धार्मिक-सांभोजिक मान्यताओं व नैतिक जीवन समन्वय की दृष्टि प्राप्त करता है। यह समन्वयवादी दृष्टि शिक्षार्थी अपने निजी जीवन के भी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु सहायक होती है।

CO4. शिक्षार्थी केशवदास के काव्य के अध्ययन से भारतीय काव्यशास्त्र का परम्परागत ज्ञान प्राप्त करता है।

Secy
Date
Page

CO5. शिक्षार्थी बिहारी के काव्य के अध्ययन से कविता में भाषा में मितकथन व अलंकारों के सटीक प्रयोग का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है, जिससे उपरोक्त व्यापक अभिरुचि का विकास एवं विस्तार होता।

CO6. शिक्षार्थी घनानंद की कविता के अध्ययन से सामाजिक रुढ़ियों के बीच प्रेम की विलक्षण अनुभूति से परिचित होता है, जिससे वह तत्कालीन से लेकर समकालीन समाज तक की संव्यव आचार्य जटिल संरचना के ज्ञान के साथ ही विवेचन की मनोवैज्ञानिक समझ भी प्राप्त करता है।

Credits: 4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	सूरदास: प्रमदगीत सार: संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 75 तक) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।	10
Unit II	तुलसीदास: विनयपत्रिका: ((व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 75 तक) पीताम्बरे गोरखपुर।	10
Unit III	केशवदास: संक्षिप्त रामचन्द्रिका: संपा. डॉ. जगन्नाथ तिवारी। (व्याख्या हेतु भयोध्यापुरी वर्णन) रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग अगला।	10
Unit IV	बिहारी: बिहारी रत्नाकर: संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर (व्याख्या हेतु प्राथमिक 25 दोहे) प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।	10
Unit V	घनानंद: घनानंद कविता: संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 15 छंद)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक प्रश्न -

1. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केशवदास : विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- कैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

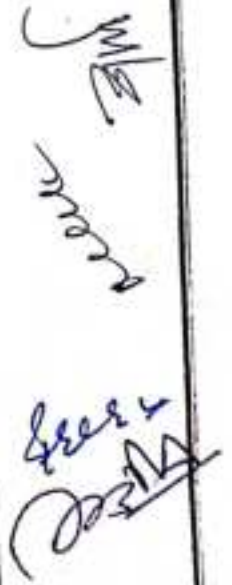
Programme: – Hindi

Year: IV Semester: VII Paper- GE

Course Code: GE7 **Course Title: अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप**

Course Outcomes:

- CO1. अनुवाद दो भाषाओं के बीच कार्य-व्यवहार को सुगम बनाता है। शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से अनुवाद प्रक्रिया का समग्र परिचय तथा सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी अनुवाद के स्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों तथा शीघ्रांशों का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण और प्रविधि तथा विस्तरेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन, सम्प्रेषण आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी समतुल्यता के सिद्धान्त का परिचय तथा अनुवाद के विभिन्न प्रकारों/क्षेत्रों तथा साहित्यिक, कार्यालयी, मानविकी, संचार माध्यमों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी इत्यादि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी अनुवाद की समस्याओं का विश्लेषित परिचय प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO6. नवी वैश्विक परिस्थितियों एवं भूमंडलीकृत संसार में संसार, संवाद एवं सम्प्रेषण के सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में सेवागार के नए और समृद्ध अवसर उपस्थित हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी समग्रता में इन अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।



(16)

Credits: 4		Generic Electives	
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	अनुवाद: परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ। अनुवाद का स्वरूप: अनुवाद कला, विज्ञान अथवा सिल। अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।	12	
Unit II	अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनुवादित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति।	12	
Unit III	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार: कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, लेखारसाध्यम्, विज्ञापन आदि। अनुवाद की समस्याएँ: मुक्तनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यलयी अनुवाद की समस्याएँ, नोटिफा क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ।	12	
Unit IV	अनुवाद के उपकरण: कोश, पारिभाषिक शब्दावली, चिन्तास, कम्प्यूटर आदि। अनुवाद: पुनर्लेखन, संपादन, मूल्यांकन। मूलभाषा अनुवाद। अनुवादक के गुण। पाठ की व्यवधारणा और प्रकृति: पाठ शब्द, प्रति शब्द। साहित्यिक अनुवाद, भावानुवाद, पूर्ण और सांशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।	12	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12	

सहायक ग्रंथ -

1. अनुवाद क्या है : डॉ. यू. इ. राजगुरु, एवं डॉ. राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद नीमांश : निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान की मूलिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. अनुवाद की समस्याएँ : जी. गोपीनाथन, लोकमाली प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अनुवाद की प्रक्रिया - तकनीक और समस्याएँ : डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अनुवाद विज्ञान - सिद्धान्त और प्रविधि : मोतानाथ तिवारी, किताबधर प्रकाशन, नई दिल्ली

Seen
Date
Mk

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

GROUP-3

Programme: -HINDI

Year: IV Semester VII Paper-DSE

Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य

Course Outcomes:

- CO1. विशारदों आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेश रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. विशारदों आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य धूर्वाराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। विशारदों विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।

(18)

CO4. शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।	
CO5. शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्यावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।	
Credits: 4	
Unit	Topic
Unit I	अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा. डॉ. विधनाथ त्रिपाठी (ब्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)
Unit II	चंदबरदाई: रेखा सट्टा पृथ्वीराज रासो
Unit III	विद्यापति: संपा. शिवप्रसाद सिंह (ब्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)
Unit IV	कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (ब्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद) विश्वविद्यालय प्रकाशन, बाराणसी।)
Unit V	नतिक मुहम्मद जायसी: पद्यावत - संपा. वासुदेवराज अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (ब्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड।)
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

महायक ग्रंथ -

1. संदेश रासक : रजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो- भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : रजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर - एक नई दृष्टि : गुरुबंग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति, आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिवासी हिन्दी साहित्य -अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE.

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: -HINDI

Year: IV Semester: VII Paper- GE

Course Code: GE7

Course Title: अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप

Course Outcomes:

- CO1. अनुवाद दो भाषाओं के बीच कार्य-अवधार को सुगम बनाता है। निशार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से अनुवाद प्रक्रिया का सनात परिचय तथा सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. निशार्थी अनुवाद के स्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. निशार्थी अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण और प्रविधि तथा विस्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन, सम्प्रेषण आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO4. निशार्थी समनुव्युत्पत्ता के सिद्धान्त का परिचय तथा अनुवाद के विभिन्न प्रकारों/क्षेत्रों तथा साहित्यिक, कार्यालयी, मानविकी, संचार माध्यमों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी इत्यादि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO5. निशार्थी अनुवाद को समस्याओं का विस्तृत परिचय प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO6. नवी वैश्विक परिस्थितियों एवं भूमंडलीय संसार में संवाद, संवाद एवं सम्प्रेषण के सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में सेनापार के नए और समृद्ध अवसर उपलब्ध होते हैं। इन पाठ्यक्रम के अध्ययन से निशार्थी समनुव्युत्पत्ता में इन अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।

(2)

Credits:4		Generic Elective	
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	अनुवाद: परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ। अनुवाद का स्वरूप: अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प। अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।	12	
Unit II	अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संग्रहण की प्रक्रिया। अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति।	12	
Unit III	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार: कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञान आदि। अनुवाद की समस्याएँ: सुलनासक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ।	12	
Unit IV	अनुवाद के उपकरण: कोश, पारिभाषिक शब्दावली, विसारख, कम्प्यूटर आदि। अनुवाद: पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन। मरीनी अनुवाद। अनुवादक के गुण। पाठ की अवधारणा और प्रकृति: पाठ शब्द, प्रति शब्द। शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छाया अनुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।	12	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12	

सहायक ग्रंथ -

1. अनुवाद क्या है : डॉ. नृ ह राजुल्कर, एवं डॉ. राजमल बोच, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद मीमांसा : निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. अनुवाद की समस्याएँ : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अनुवाद की प्रक्रिया - तकनीक और समस्याएँ : डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अनुवाद विज्ञान - सिद्धान्त और प्रविधि : भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

(2)

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : हिन्दी पत्रकारिता	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: - Hindi

Year: IV Semester: VII Paper- GE

Course Code: GE*

Course Title: हिन्दी पत्रकारिता

Course Outcomes:

- CO1. पत्रकारिता रोजगार का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसका विस्तार बढ़ता जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी पत्रकारिता का मूलभूत ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी विश्व तथा हिन्दी पत्रकारिता का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी हिन्दी में पत्रकारिता के मूल तत्वों तथा प्रकारों का तकनीकी ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी समाचार-संकलन तथा सम्पादन कला के समस्त पक्षों का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन यथा सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्टाज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन, ट्विस्ट एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO6. शिक्षार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा मुद्रण कला का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO7. शिक्षार्थी भारतीय संविधान, प्रेस कानून तथा पत्रकारिता की आधार संहिता का ज्ञान प्राप्त करता है।

Handwritten signatures and initials:

Signature: [Illegible]

Signature: [Illegible]

Signature: [Illegible]

22

COS: समग्रता में शिक्षार्थी पत्रकार बनने की प्रेरणा, आधारभूत ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4		Generic Elective	
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार विभिन्न पत्रकारिता का उद्देश्य, भारत में पत्रकारिता का आरंभ। हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।	10	
Unit II	समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, मूठ-विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया। समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना। समाचार के विभिन्न स्रोत : संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।	10	
Unit III	पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय, फीचर, रिपोर्टेज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविष्टि। दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता। प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शूटिंग, ले आउट तथा पृष्ठ-सजा। पत्रकारिता का प्रबंधन- प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।	10	
Unit IV	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता: टेलिविडियो, टी0वी0, बीरडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता। लोक-संपर्क तथा विज्ञापन। प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।	10	
Unit V	मुक्त प्रेस की अवधारणा प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता। प्रजातंत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।	10	
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		10	

सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी पत्रकारिता हमारी विरासत : प्रो. संभुनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी पत्रकारिता का बृहद इतिहास : अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंसार : डाकुमदल शर्मा आलोक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय प्रेसकानून और आचार संहिता : राशि प्रकाश राय, आर के पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली

[Handwritten signatures and initials]

23

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: - Hindi

Year: IV Semester: VII Paper- DISSERTATION

Course Code: DISSERTATION

Course Title: DISSERTATION

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
 CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
 CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
 CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits: 6

Dr. Anurag K. Singh
 HOD

(24)

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III	Academic Project/ Entrepreneurship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

Free
20/2

Free
20/2

26

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पाश्चात्य काव्यशास्त्र: संक्षिप्त परिचय, जेडो के काव्य सिद्धांत	10
Unit II	अरस्तु: अनुकरण सिद्धांत, विरचन सिद्धांत एवं त्रासदी विवेचन, लोजाइन: उदात्त की अवधारणा एवं मेटा	10
Unit III	मैथ्यू आर्नल्ड: कला और नैतिकता का सिद्धांत, जोसेफ: अभिव्यक्तिवाद,	10
Unit IV	जार्ज ए. रिचर्ड्स: काव्यमूल्य, टी. एस. इलियट: कला की निर्विकल्पिकता का सिद्धांत	10
Unit V	वर्दस्वर्थ: काव्यभाषा सिद्धांत, कालीन: रूढ़िवाद और फोरेसी सिद्धांत। (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ-

1. भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पश्चात्य काव्यशास्त्र : सारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पश्चात्य साहित्य चिंतन : तन्नादक निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उदात्त के विषय में : निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पश्चात्य काव्यशास्त्र - नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Green
Sobha

new

(21)

SEMESTER - VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

GROUP - I

Programme: -HINDI

Year: IV Semester: VIII Paper-DSE

Course Code: DSE 8 Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

Course Outcomes:

CO1: शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व ओचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धांतिक ज्ञान रखेगा है।

CO2: शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाय साहित्य, यौगन्धेय-सुलो सौन्दर्य आदि का सैद्धांतिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ल, विद्यापति आदि महत्त्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय रखेगा है।

Dr. Anurag Singh

Dr. Anurag Singh

CO3. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO4. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल/रैतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO5. शिक्षार्थी रैतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
 CO6. शिक्षार्थी रैतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Electives		No. of Hours
Unit	Topic	
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाय-सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रैतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. गोन्द

सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रैतिकाल - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन

Handwritten signatures and initials:
 A large signature on the left, and initials 'ZM' on the right.

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : राजगीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. संस्कृत - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
5. भक्ति और भक्ति आंदोलन : जे.पी. सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला(हरियाणा)

(24)

Dr. P. K. Singh

Dr. P. K. Singh

Dr. P. K. Singh

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

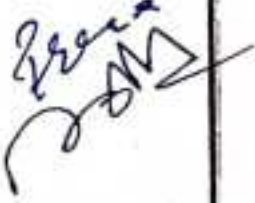
Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: -HINDI	Year: IV	Semester: VIII Paper- DSE
Course Code: DSE9	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	

Course Outcomes:

- CO1. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व वैद्वान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. विद्यार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. विद्यार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विविध धाराओं तथा छापवाड, प्रगतिवाद, प्रेमनवाड आदि का वैद्वान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-इष्टि के अलावेक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।





CO-1. Designate specific topics to be covered in the course and indicate the number of hours for each topic.

CO-2. Designate specific topics to be covered in the course and indicate the number of hours for each topic.

CO-3. Designate specific topics to be covered in the course and indicate the number of hours for each topic.

Designate Specific Experiences		No. of Hours
Unit	Topic	
Unit I	Introduction to the course, objectives, and topics to be covered.	12
Unit II	Introduction to the course, objectives, and topics to be covered.	12
Unit III	Introduction to the course, objectives, and topics to be covered.	12
Unit IV	Introduction to the course, objectives, and topics to be covered.	12
Unit V	Introduction to the course, objectives, and topics to be covered.	12

CO-4. Designate specific topics to be covered in the course and indicate the number of hours for each topic.

CO-5. Designate specific topics to be covered in the course and indicate the number of hours for each topic.

CO-6. Designate specific topics to be covered in the course and indicate the number of hours for each topic.

CO-7. Designate specific topics to be covered in the course and indicate the number of hours for each topic.

CO-8. Designate specific topics to be covered in the course and indicate the number of hours for each topic.

CO-9. Designate specific topics to be covered in the course and indicate the number of hours for each topic.

CO-10. Designate specific topics to be covered in the course and indicate the number of hours for each topic.

Signature: _____

Date: _____

SEMESTER - VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial / Practical/Practice		
DSE : आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)	4	3	1	0	Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: - HINDI	Year: IV	Semester: VIII Paper- DSE
Course Code: DSE ²⁰	Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)	

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी आधुनिक कविता के आरम्भ का रचनात्मक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी हिन्दी नवजागरण में खड़ी बोली हिन्दी में काव्यरचना के सशक्त आरम्भ के साक्ष्य प्राप्त करता है। मधिलिखण गुप्त कृत साकेत की विषयवस्तु उसे हिन्दी कविता में नयी के मूल संघर्षों व बलिदानों के चित्रण का महत्वपूर्ण अभिलेख बनाती है, शिक्षार्थी इस पुस्तक के अध्ययन से हिन्दी में नवी विमर्श के बहुत आधुनिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कवियों जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पंत एवं महादेवी वर्मा और उनकी कविताओं के अध्ययन से छायावाद युग का ऐतिहासिक व सांस्कृतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी छायावादी कविता के अध्ययन से प्रकृति, प्रेम, सौन्दर्य, भारत की गहन भारतीय परम्परा तथा विचार की नवीन आधुनिक सन्निधियों/पद्धतियों का रचनात्मक एवं



 Dr. Anurag Singh

63

भौतिक ज्ञान प्राप्ति करता है।

Discipline Specific Electives		No. of Hours
Credits:4	Topic	
Unit		10
Unit I	भौतिकीकरण गुप्तः साकेत (ब्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, विगांव ड्राफ्टी।	10
Unit II	जयशंकर प्रसादः कामायनी (ब्याख्या के लिए केवल श्रद्धा और इडा सर्ग), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।	10
Unit III	सूर्यकांत त्रिपाठी निरालाः राग-विरण, संपा. रामविनायक शर्मा (ब्याख्या के लिए 'राग' की सक्तिपूजा), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद।	10
Unit IV	सुमित्रानंदन पंतः परिमंथ (ब्याख्या के लिए प्राथमिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	10
Unit V	महादेवी वर्माः संधिनी (ब्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminar, Group Discussion etc)	

सहायक ग्रंथ -

1. भौतिकीकरण : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जयशंकर प्रसादः नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. छायावाद - प्रसाद, निराला, महादेवी और पंत : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. निराला : आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. महादेवी : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कवि सुमित्रानंदन पंत : नंदकिशोर नवल, नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. कामायनी एक पुनर्विचार : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Green
Signature

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial / Practical Practice		
USE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिनवत तक)	4	3	1	0	Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

GROUP-2

Programme: -HINDI

Year: IV

Semester: VII Paper: DSE

Course Code: DSE[®]

Course Outcomes:

८०. *संस्कृत-संज्ञा-संग्रहः*

[illegible]

2/28/20
2/28/20

CO3. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करना है।
CO4. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल/ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करना है।
CO5. शिक्षार्थी ऐतिहासिक कवि-आचार्यों द्वारा रचित तक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करना है।
CO6. शिक्षार्थी ऐतिहासिक कवि-आचार्यों का काव्यधाराओं तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियों, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों, सूफी काव्य परंपरा।
भविष्य का ज्ञान प्राप्त करना है।

Credits: 4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाच-सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, तक्षण ग्रंथ-परंपरा, ऐतिहासिक कवि काव्यधाराएँ: ऐतिहासिक, ऐतिहासिक और ऐतिहासिक काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		12

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : अचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(Handwritten signatures and initials)

SEMESTER - VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

69

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: -HINDI

Year: IV Semester: VIII Paper- DSE

Course Code: DSE9

Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवर्तन का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी आधुनिक काल में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलाोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी हिन्दी में गद्य लेखन के उद्भव-विकास तथा गद्य की प्रमुख विधाओं यथा नाटक, कहानी, उपन्यास और निबंध का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी कथंतेर गद्य के अन्तर्गत स्मारक साहित्य और उसकी विधाओं यथा संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तंत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि का परिचय प्राप्त करता है।

(Handwritten signatures and initials)

ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: मातेन्दु युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	छायावाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।	12
Unit III	हिंदी गद्य साहित्य का विकास: नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।	12
Unit IV	हिंदी का स्मारक साहित्य: संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तान्त, फीचर, डायरी, रिपोर्टाज आदि।	12
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		12

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ -

1. मातेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की सनत्तारें : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरस, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी कहानियों का विकास : मधुरस, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी नाटक - उद्भव और विकास, दशरथ शंकर, राजपाल एंड सन, नई दिल्ली
7. स्मारक साहित्य और उनकी विधाएँ : निर्मला देसा एवं रेखा देसा, ग्रंथपथ, अलीगढ़

Free
20/11/2024

(38)

SEMESTER - VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 50

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: - Hindi

Year: IV Semester: VIII Paper: GE

Course Code: GE:

Course Title: आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी चरित्रगत सुवर्णमाला का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है। यहाँ चरित्रगत सभी आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं की जानकारी है।
- CO2. शिक्षार्थी विज्ञान रूप में आधुनिकता का अध्ययन करते हुए मार्क्स के सामान्य नियमों का ज्ञान करता है। यहाँ विज्ञान बौद्धिक सतहों में रहित के आधुनिक विचार धारा की केंद्रीय धुरी रहे हैं। इनका विवेक-मार्गदर्शक पर बहुत प्रभाव रहा है।
- CO3. शिक्षार्थी मर्यादितरूपण के आधुनिक विज्ञान पर आधारित सांख्यिक विवेचना पद्धति का अध्ययन करता है।
- CO4. शिक्षार्थी अस्तित्ववाद का अध्ययन करते हुए बौद्धिक मरी के एक प्रमुख विभाग तथा उससे प्रेरित साहित्य व कलाकला का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी साहित्य, समाज तथा भाषा के बीच सम्बन्ध का अध्ययन करते हुए भाषा के परिवर्तन आधारित आकलन का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO6. शिक्षार्थी बौद्धिक मरी के उत्कर्ष में भाषा, साहित्य, समाज व राजनीति के उत्तरआधुनिक निष्ठानों व विचारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Dr. [Signature]

[Signature]

Credits:4		Generic Elective	
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	सूक्तमि - पुनर्जीवण	10	
Unit II	आधुनिकता और मार्क्सवाद	10	
Unit III	मनोवैज्ञानिकवाद	10	
Unit IV	अस्तित्ववाद	10	
Unit V	संरचनावाद	10	
Unit VI	उत्तरआधुनिकता	5	
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		5	

सहायक ग्रंथ -

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - नई प्रवृत्तियाँ, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उत्तरआधुनिक साहित्य विमर्श, सुधीरा एचोटी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नयी मनोविज्ञान के प्रतिमान, निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

(31)

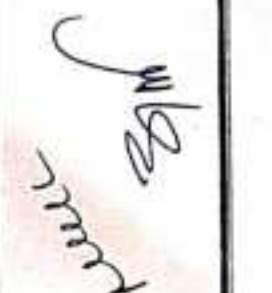
Dr. Anurag Singh

(3)

SEMESTER - VIII**CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE****TEACHING HOURS - 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject			
GROUP: 3		Year: IV	Semester: VIII Paper-DSE
Programme: HINDI		Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	
Course Code: DSEs			
Course Outcomes:			
CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाय साहित्य, गौरकाव्य-रसो साहित्य आदि का सैद्धांतिक ज्ञान और बंद बरदाई, अन्दुत रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाट्य, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।			

(11)

- CO3. निम्नलिखित के पूर्व मध्यकाल/मनिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करना है।
- CO4. निम्नलिखित के उत्तर मध्यकाल/मनिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करना है।
- CO5. निम्नलिखित के निम्नलिखित कवि-शाखाओं द्वारा रचित लक्षण धर्मों की परंपरा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करना है।
- CO6. निम्नलिखित के काव्यधाराओं तथा ऐतिहासिक, ऐतिहासिक तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करना है।

Credits: 4

Discipline Specific Electives		No. of Hours
Unit	Topic	
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियों, नाम-सिद्ध साहित्य परंपरा, उसी काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: मनिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियों, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों, तुलसी काव्य परंपरा।	12
Unit III	मनिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	ऐतिहासिक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियों, लक्षण धर्म-परंपरा, ऐतिहासिक की काव्यधाराएँ: ऐतिहासिक, ऐतिहासिक और ऐतिहासिक काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नरेंद्र

सहायक ग्रंथ -

1. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, गजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदीकाव्य - नंदकिशोर नवल, गजकमल प्रकाशन

[Handwritten signatures and initials]

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: **HINDI**

Year: **IV** Semester: **VIII** Paper- **GE**

Course Code: **GE9**

Course Title: **आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत**

Course Outcomes:

- CO1. निश्चयी चरित्रपूर्ण पुनर्जागरण का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है। गरी परिपक्वा सभी आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं की आधारभूमि है।
- CO2. निश्चयी सिद्धान्त रूप में आधुनिकता का अध्ययन करते हुए भाषा के सामान्य सिद्धान्तों का ज्ञान करता है। गरी सिद्धान्त चरित्रपूर्ण सततता में पश्चिम के आधुनिक विचार सततता में केंद्रित होती रहे। इनका विश्व-साहित्य पर बहुत प्रभाव रहा है।
- CO3. निश्चयी मनोविश्लेषण के आधुनिक विज्ञान पर आधारित सांख्यिक विवेचना पद्धति का अध्ययन करता है।
- CO4. निश्चयी अस्तित्ववाद का अध्ययन करते हुए चरित्रपूर्ण गरी के एक प्रमुख विचार तथा उससे प्रेरित साहित्य में आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO5. निश्चयी साहित्य, समाज तथा भाषा के बीच गहनता का अध्ययन करते हुए भाषा के संरचना आधारित अध्ययन का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO6. निश्चयी चरित्रपूर्ण गरी के उत्तरार्ध में भाषा, साहित्य, समाज व राजनीति के उत्तरआधुनिक सिद्धान्तों में विमर्श का ज्ञान प्राप्त करता है।




(13)

Unit	Topic	Genetic Disease	No. of Hours
Unit I	Genetics - Fundamentals		20
Unit II	Genetics and the Environment		20
Unit III	Genetics and the Environment		20
Unit IV	Genetics and the Environment		20
Unit V	Genetics and the Environment		20
Unit VI	Genetics and the Environment		20
(Tutorial Assignment, Class Room Seminar, Group Discussion etc)			

संदर्भ ग्रंथ -

1. आनुवंशिक विज्ञान - डॉ. ए.पी. सिन्हा, एम.एस. एम.एस. एम.एस.
2. आनुवंशिक विज्ञान सिद्धांत, एम.एस. एम.एस. एम.एस.
3. आनुवंशिक विज्ञान, एम.एस. एम.एस. एम.एस.
4. आनुवंशिक विज्ञान (एडिशन) एम.एस. एम.एस. एम.एस.

Dr. P. S. Sinha

Dr. P. S. Sinha

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial		
GE : विशिष्ट अध्ययन : कबीर	4	3	1		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: – Hindi

Year: IV Semester: VIII Paper- GE

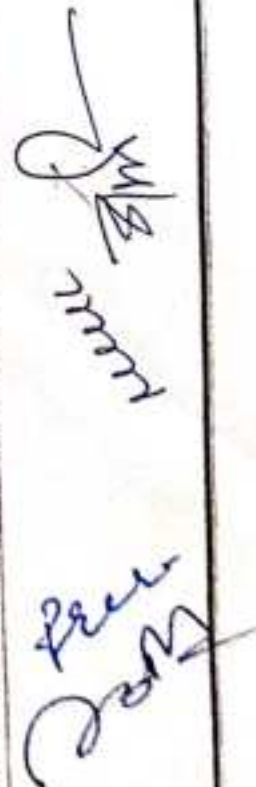
Course Code: GE¹⁰

Course Title: विशिष्ट अध्ययन : कबीर

Course Outcomes:

- CO1. हिन्द की प्राचीन कविता परम्परा में भारत की भक्तिवादीतन निर्गुण धारा के कवि कबीर का महत्वपूर्ण स्थान है। विषय भर में उन पर रोचकपूर्ण हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन में शिक्षार्थी कबीर की कविता एवं दर्शन का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से भक्ति आंदोलन, संत परम्परा तथा निर्गुण काव्यधारा का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन में मध्यकालीन भारतीय समाज तथा उसमें उपस्थित जाति-धर्म, अज्ञान, अधविश्वास आदि के विरुद्ध प्रतिरोध का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी कविता के दार्शनिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।


 Head of Institution

WS

CO5. शिक्षार्थी कविता के सामाजिक पक्ष का परिचय व गैटानिज्म आन प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी साहित्य की समग्र आध्यात्मिक एवं सामाजिक समीक्षा का ज्ञान व प्रतिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4

Generic Elective		No. of Hours
Unit	Topic	
Unit I	व्याख्या हेतु : कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली (पद संख्या : 160-209)	20
Unit II	भूमिका : कबीर शैवावली- परिचालित पाठ- संपा. स्वामिंदुंदर दास: नवीन परिचालित संस्करण- पुरुषोत्तम जगज्जाल राजकमल प्रकाशन समूह, दिल्ली	15
Unit III	ऐद्वान्तिक अध्ययन हेतु : कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc.)	15
		10

सहायक प्रश्न -

1. कबीर की खोज : राजकिशोर, याणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर की चिंत - कलंदेव चर्चा , याणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. ब्रजच कलानी प्रेम की : पुरुषोत्तम जगज्जाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर : सम्पादक - विजयेन्द्र लनाक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Signature
Date

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject

Programme: – Hindi

Year: IV Semester: VIII

Paper- DISSERTATION

Course Code: DISSERTATION

Course Title: DISSERTATION

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits: 6

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I	Dissertation on Major	
OR		
GROUP II	Dissertation on Minor	
OR		
GROUP III	Academic Project/ Entrepreneurship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

Date _____
 Name _____
 Page _____

Master's in Core Subject- HINDI

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial		
DSC : लोक साहित्य	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject

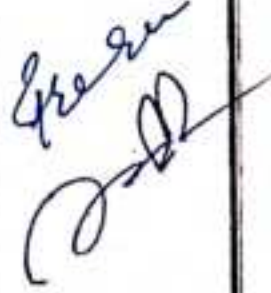
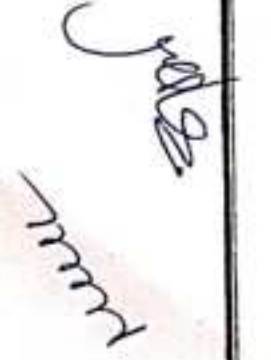
Programme: -HINDI

Year: V Semester: IX Paper- DSC

Course Code: DSC⁹ Course Title: लोक साहित्य

Course Outcomes:

- CO1. किन्ती भी समाज और राष्ट्र की एक मूल लोक परम्परा होती है, जिससे उस राष्ट्र और समाज के समग्र सामाजिक चरित्र का निर्माण होता है। वैश्विक स्तर पर लोक साहित्य के अध्ययन एवं शोध को महत्वपूर्ण माना गया है तथा विश्वविद्यालयों में इसके पृथक विभाग स्थापित किए गए हैं। लोक साहित्य के अध्ययन से शिक्षार्थी इस मूल लोक परम्परा के अर्थ, स्वप्न और महत्व का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी लोक संस्कृति और लोक साहित्य के विविध सैद्धांतिक पक्षों का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी अभिजात साहित्य और लोक साहित्य के अंतर्सम्बन्धों का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया (संकलन तथा पाठ निर्धारण) का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी लोक साहित्य के विभिन्न रूपों का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करना है।

CO6. शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्रोतों का ज्ञान एवं प्रनिक्षण प्राप्त करना है।

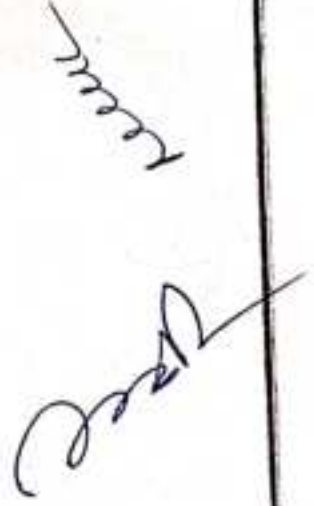
Credits: 4

Discipline Specific Course

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	लोक और लोक-वार्ता, लोक-विज्ञान।	10
Unit II	लोक संस्कृति और साहित्य, लोक साहित्य का स्वरूप	10
Unit III	अभियात साहित्य और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।	10
Unit IV	लोक साहित्य की अध्ययन-प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।	10
Unit V	लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण: लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरें, पहेलियाँ, लोक संगीत।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. लोक और ज्ञान्य - अन्वय और समन्वय : विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय लोक साहित्य : दयानंदसरमा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. जिलावन पंडेय
5. 21 श्रेष्ठ लोककथाएँ उलगाखंड, सम्पादक - प्रो. निर्मला देला बोरा, डायमंड बुक्स, दिल्ली



SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject

GROUP - I

Programme: -HINDI

Year: V

Semester: IX Paper-DSE

Course Code: DSEu **Course Title: हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य**

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी गंदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए तंत्रों-तन्मयों को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते सिल्स का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा आधे-अधूरे के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके सिल्सगत रचना, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

[Signature]
[Signature]

57

Credits: 4		Discipline Specific Electives	
Unit	Topic		No. of Hours
Unit I	गोदान - प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।		15
Unit II	हिंदी कहानी के नौ कदम - स. बटोही, जल्मोड़ा बुक डिपो, जल्मोड़ा।		15
Unit III	मोहन राकेश: आधे जधूरे, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।		10
Unit IV	एकवर्षी युग्म: सम्पादक : डॉ. कोबसे ज्योति, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।		10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		10

सहायक प्रश्न -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामचितास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाणा)
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरिजा रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Signature
Signature
Signature

(53)

SEMESTER IX**CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE****TEACHING HOURS - 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial/Practical		
DSE : निबंध एवं स्मारक साहित्य	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject**Programme: HINDI****Year: V****Semester: IX Paper- DSE****Course Code: DSE2****Course Title: निबंध एवं स्मारक साहित्य****Course Outcomes:**

- CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप, प्रकार और महत्व का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
 CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों का परिचय, निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधाओं तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की समीक्षा का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4**Discipline Specific Electives****Unit****Topic****No. of Hours**

Dr. Anurag Singh
 Lecturer

53

Unit I	हिन्दी विवेक प्रश्न - भीष्म दंडन (पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय- शब्दी अक्षर (मातृपुत्र शब्द), शब्दी नीला (सद्वार्ता प्रवर्धित), काव्य में लोकप्रियता की सामान्यता (सामान्य शब्द), वेदार्थ (समाधिप्राप्त विवेक), प्रेमपत्र के फटे जुड़े (परिचय प्रसार) अक्षर का भविष्य (सामान्य विवेक), सेवा का प्रसार (अर्थ), आदिकार्य (सामान्यता शब्द), साहित्य का स्तर (अर्थ, प्रेम), आधुनिक (विचारविमर्श विषय), अर्थ की भीत पर (समीक्षा प्रवर्धित), प्रसार अक्षरों (प्रवेशपत्र शब्द), विवेक की प्रसार में (प्रवेशपत्र शब्द) ।	20
Unit II	प्रश्न के शब्दी - महादेवी शब्द, लोकप्रियता प्रकाश, प्रकाशपत्र ।	15
Unit III	स्मारक साहित्य प्रश्न - केदारनाथ शब्द/अर्थ/विषय विषय: साधुप्रेम प्रकाश, अर्थ/विषय ।	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक प्रश्न -

1. हिन्दी विवेक साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. मातृपुत्र, शब्दी प्रकाश, नई दिल्ली
2. साहित्यिक विवेक आधुनिक दृष्टिकोण : सत्यन विवेक, शब्दी प्रकाश, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य विवेक प्रश्न विवेक : वेदवती शब्दी, लोकप्रियता प्रकाश, नई दिल्ली
4. स्मारक साहित्य की विषय : डॉ. निर्वाण इन्ना प्रश्न डॉ. रेखा देवा, प्रकाश प्रकाश, अर्थ/विषय

Dr. Anurag Singh
Dr. Anurag Singh

(54)

SEMESTER IX**CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE**

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : भाषा विज्ञान	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject

Programme: - Hindi

Year: V Semester: IX Paper- DSE

Course Code: DSEU Course Title: भाषा विज्ञान

Course Outcomes:

- CO1. Linguistics अर्थात् भाषा-विज्ञान भाषा एवं साहित्य ही नहीं, अभिव्यक्तियों के सन्दर्भ में समाज को समझने की पद्धति के रूप में विकसित होने वाला विषय नौ है। अनः इस पाठ्यक्रम से शिक्षार्थी भाषा विज्ञान के अर्थ, स्वरूप, भाषा व्यवस्था, भाषा व्यवहार और उसके महत्व का ऐतिहासिक परिचय व वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी भाषा प्रयोगशालाओं में उच्चस्तरीय अध्ययन व शोध हेतु आधार योग्यता व ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन-शाखाओं तथा भाषा के स्वरूप के आधार पर सामाजिक अभिव्यक्ति के अध्ययन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी भाषा की सामाजिक संरचनाओं तथा भाषा के स्वरूप के आधार पर सामाजिक अभिव्यक्ति के अध्ययन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी साहित्यिक कृतियों के भाषा वैज्ञानिक अध्ययन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
------	-------	--------------

Dr. Anurag Singh

Unit I	भाषा और भाषा विज्ञान: भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक-प्रकार्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता।	15
Unit II	स्वन प्रक्रिया: स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग्व्यवहार और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विस्तरेषण।	15
Unit III	रूपप्रक्रिया: रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपनि की अवधारणा और भेद: मुक्त-आबद्ध, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विस्तरेषण, निकटस्थ-अवयव विस्तरेषण, गहन संरचना और वाग्व्यवहार।	12
Unit IV	अर्थविज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

सहायक प्रश्न -

1. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : पुनर्विज्ञान ग्रन्थ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अष्टाध्यायी भाषा विज्ञान : पाठ्य ग्रन्थभूषण रौतानु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान : मौलानास निबन्ध, निताव नरुत प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय भाषा विज्ञान : विश्वगोपाल बाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भाषा विज्ञान की भूमिका : टेंकटनाथ ग्रन्थ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भाषा विज्ञान - वैदिक विज्ञान : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Dr. Ravi Shrivastava

(56)

SEMESTER IXCREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

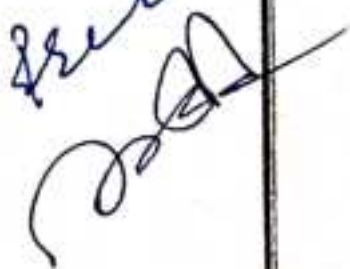
Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial/Practical		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	4	3	1	0	Nil

Master's in Core SubjectGROUP: 2Programme: -HINDI

Year: V Semester: IX Paper: DSE

Course Code: DSEu Course Title: हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्यCourse Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी गंदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रहे जीवन स्थितियों और नए संकट-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी क्लार को आग के अध्ययन से भारतीय समाज में दलित एवं शोषित वर्ग की पीड़ा का साक्षात्कार करते हुए एक नए सामाजिक-राजनैतिक चिन्मों का परिचय दे ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानों आंदोलनों तथा बदलते चित्र का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

Dr.  Anurag

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्वतंत्रता तथा आधुनिक-अधुनिक के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व विदेशी परम्परा में उनके विकास, स्वरूप, अन्तर्गत के ऐतिहासिक-सांसाजनिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा सामंजस्य विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives	No. of Hours
Unit	Topic		
Unit I	मोदान - प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।		15
Unit II	हिन्दी कहानी के नौ कदम - स. बटवोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।		15
Unit III	मोहन राकेश: आधुनिक, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।		10
Unit IV	एकांकी सुमन: सम्पादक : डॉ. कोबले अशोक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।		10
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminar, Group Discussion etc)			10

सहायक ग्रंथ -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शर्मा, आधार प्रकाशन, पंचकुला (हरियाणा)
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरिश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

[Handwritten signatures and initials]

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial/Practical/Practice		
DSE : निबंध एवं स्मारक साहित्य	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject

Programme: **HINDI**

Year: V Semester: IX Paper- DSE

Course Code: DSE-2 Course Title: निबंध एवं स्मारक साहित्य

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप, प्रकार और महत्व का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
 CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों का परिचय, निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधाओं तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की सर्वांगीण का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
------	-------	--------------

Handwritten signatures and initials:
 There are two large signatures on the right side of the page, one above the other, and some smaller initials to the right.

(5A)

Unit I	हिंदी निबंध मंजूषा - नीरजा टंडन: (पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्ध- सच्ची कविता (बालकृष्ण मठ), सच्ची वीरता (सरदार पूर्णसिंह), काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (रामचन्द्र शुक्ल), देवदारु(हजारीप्रसाद द्विवेदी), प्रेमचन्द के फटे जुते (हरिश्चन्द्र परसाई), कविता का मविष्य (रामधारी सिंह दिनकर), चेतना का संस्कार (अज्ञेय), आदि काव्य(रामविलास रामी), साहित्य का स्वर(डॉ. नरेन्द्र, आनन्दमनो(विद्यानिवास मिश्र), अपनी ही मौत पर (धर्मवीर भारती), राधक: करणोरस: (कुन्दनराय राय), निबन्ध की तलाश में (रमेशचन्द्र शाह) ।	20
Unit II	प्रेम के साथी - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।	15
Unit III	स्मारक साहित्य संग्रह - केशवदत्त स्वामी/अनामसिंह मिश्र: तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़ । (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	15
		10

सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. वावूराम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्यिक निबंध आधुनिक दृष्टिकोण : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य निबंध स्वल्प विवेचन : वेदवती रठौ, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. स्मारक साहित्य की विधाएँ : डॉ. निर्मला देला चोरा एवं डॉ. रेखा देला, प्रभाषन प्रकाशन, अलीगढ़

Free
2023

new
Brynd

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial		
DSE : गढ़वाली साहित्य	4	3	1		Nil

Master's in Core Subject

Programme: - Hindi

Year: V Semester: IX Paper: GE

Course Code: GBU

Course Title: गढ़वाली साहित्य

Course Outcomes:

CO1. भाषा और साहित्य की नयी उत्तरसंस्त्वनावादी पद्धति में लोक साहित्य के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी गढ़वाली लोक-साहित्य का रचनात्मक परिचय एवं नैदानात्मिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

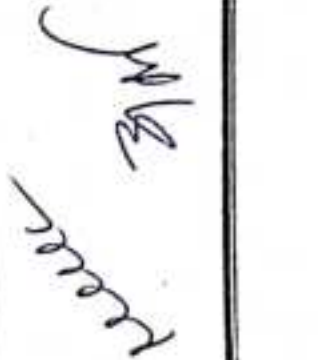
CO5. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक कथाओं के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु गढ़वाली लोक साहित्य का विविध ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी गढ़वाली के आधुनिक साहित्य का अध्ययन कर उसके समीक्षात्मक आकलन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4

Generic Elective

Unit	Topic	No. of Hours
खंड (क) गढ़वाली लोक साहित्य Unit I	गढ़वाली लोकगीत: गोविन्द चातक में संकलित देवता की धाती, मत्तो गढ़वाल, जाग, बाँजी जाबा, नगली, आजा झण्डा, छोलका, व्याई, फयूली सैतेली वैदेश जीला लोकगीत जुगलकिशोर एंड कंपनी राजपुरोड देहरादून	10
Unit II	गढ़वाली लोक गायार्ण - : गोविन्द चातक , मोहिनी प्रकाशन, देहरादून। व्याख्या हेतु प्रारंभ की पाँच कहानियाँ	10
Unit III	गढ़वाल की लोक कथाएं : डॉ० शिवानंद नौटियाल (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 5 लोककथाएँ)	10
खंड (ख) गढ़वाली साहित्य Unit IV	पुराण को पीढ़: मोहनलाल नेगी, सदेई तारादत्त गेरोला (प्रारंभ के पचास छंद) सिंह सुक्तायां, हनारि जननी- भजन सिंह सिंह, देव बड़ जो वर्णन- चंद्रमोहन रसूडी, टिनटिंग- नगदती प्रन निनोई, जो की धिट्टी- सुदाना प्रसाद प्रेमी , मुट्ट बोटिक रख-नरेन्द्र सिंह नेगी	10
Unit V	खबरा- प्रेनलाल भट्ट(निबन्ध), क्या गोरी क्या सोकी-गोविन्द चातक (निबन्ध)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. गढ़वाली लोकसाहित्य का विवेचनात्मक अध्ययन: मोहनलाल बाबूलकर, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भ: मध्यहिमालय: डॉ० गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. गढ़वाली लोकगीत: एक सांस्कृतिक अध्ययन: डॉ० गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गढ़वाल का लोक संगीत एवं वाद्य : शिवानंद नौटियाल, सुतन प्रकाशन, देहरादून।
5. गढ़वाली लोकगाथाएं: गोविन्द चातक , मोहिनी प्रकाशन, देहरादून।
6. गढ़वाली भाषा का शब्दकोश: जयलाल वर्मा, कोटद्वार।
7. गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति: डॉ० मुक्तिनाथ यादव, लोकनित्र , दिल्ली।
8. गढ़वाली व्याकरण की रूपरेखा: अदोषवन्धु बहुगुणा, गढ़वाल साहित्य नगदत, दिल्ली।
9. गढ़वाली भाषा और उत्तका साहित्य: डॉ० हरिदत्त भट्ट'शैलप', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. उत्तराखण्ड की लोकगाथाएँ-एक विवेचन: डॉ० प्रयाग जोशी, समय साक्ष्य, देहरादून।

[Handwritten signatures and initials]

(62)

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial / Practical / Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject

GROUP: 3

Programme: HINDI

Year: V

Semester: IX Paper-DSE

Course Code: DSE-11 Course Title: हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य

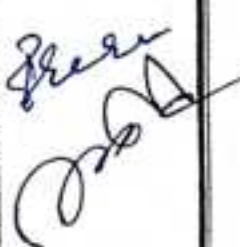
Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए संकटों-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी कगार की आग के अध्ययन से भारतीय समाज में दलित एवं शोषित वर्ग की पीड़ा का साक्षात्कार करते हुए एक नए सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक रूप, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।




63

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्वरूप तथा आधे-अधूरे के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके निरूपण रचाव, नाट्य के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4			Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	गोदान - प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15	
Unit II	हिंदी कहानी के नौ रुतब - सं. चट्टोपपात्री, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।	15	
Unit III	मोहन राकेश: आधे अधूरे, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।	10	
Unit IV	एकांकी सुमन: सम्पादक: डॉ. कांबले अशोक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	10	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10	

सहायक प्रश्न -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाणा)
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरिजा रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक-सर्वोदय कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

[Handwritten signatures and initials]

(64)

SEMESTER IX
CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria (Pre-requisite of the course, if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice	
DSE : गढ़वाली साहित्य	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject

Programme: - Hindi

Year: V Semester: IX Paper: GE

Course Code: GEth

Course Title: गढ़वाली साहित्य

Course Outcomes:

- CO1. भाषा और गद्यविद्या की नवी उत्तरावस्थावादी पद्धति में लोक साहित्य के अध्ययन का महत्त्व बताना है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी गढ़वाली साहित्य के अध्ययन के माध्यम से सांस्कृतिक और सामाजिक विकास को समझ सकेगा।
- CO2. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रसार का रचनात्मक विश्लेषण करेगा और उनका महत्त्व समझ सकेगा।
- CO3. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक विश्लेषण करेगा और उनका महत्त्व समझ सकेगा।
- CO4. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रसार का रचनात्मक विश्लेषण करेगा और उनका महत्त्व समझ सकेगा।
- CO5. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक कथाओं के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रसार का रचनात्मक विश्लेषण करेगा और उनका महत्त्व समझ सकेगा।
- CO6. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु गढ़वाली लोक साहित्य का विश्लेषण करेगा और उनका महत्त्व समझ सकेगा।
- CO7. शिक्षार्थी गढ़वाली के आधुनिक साहित्य का अध्ययन कर उसके समीक्षामूलक आकलन को जानें व प्रतिक्रिया दे सकेंगे।




Credits: 4		Generic Elective	No. of Hours
Unit	Topic		
युट (क) गढ़वाली लोक साहित्य Unit I	गढ़वाली लोकगीत गोविन्द चातक में रचलिया देवता की शक्ति, गरा गढ़वाल, जाग, सोजो जाया, नगलो, अजो अजो, छोलका, ख्याई, फुपुली रीतेली वैदेश जीता लोकगीत जुगलकिशोर एंड कंपनी राजपुरोड देहरादून		10
Unit II	गढ़वाली लोक गायार्ण : गोविन्द चातक, मोहिनी प्रकाशन, देहरादून। व्याख्या हेतु प्रारंभ की पांच कहानियां		10
Unit III	गढ़वाल की लोक कथाएं : डॉ० शिवानंद नौटियाल (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 5 लोककथाएं)		10
युट (ख) गढ़वाली साहित्य Unit IV	पुराण को पढ़ें: मोहनलाल नेनी, सदेई तारादत्त गरीला (प्रारंभ के पचास छंद) सिंह सृजिता, हमारे जननी- भजन सिंह 'सिंह', देव बड़ को वर्णन- धंदमोहन रतूडी, डिजिटिंग- भगवती चरण निर्मोही, बड़े की बिट्टी- सुदामा प्रसाद प्रेमी, मुट्ठु बोदिक रख-नरेन्द्र सिंह नेगी		10
Unit V	खबरा- प्रेमलाल भट्ट(विद्वन्), क्या गोरी क्या सोडी-गोविन्द चातक (नियन्त्र)		10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		

सहायक प्रेम -

1. गढ़वाली लोकसाहित्य का विवेचनात्मक अध्ययन: मोहनलाल यादव, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भ: मध्यदिनालय: डॉ० गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. गढ़वाली लोकगीत: एक सांस्कृतिक अध्ययन डॉ० गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गढ़वाल का लोक संगीत एवं वाद्य : शिवानंद नौटियाल, सुलभ प्रकाशन
5. गढ़वाली लोकगाथाएं: गोविन्द चातक, मोहिनी प्रकाशन, देहरादून।
6. गढ़वाली भाषा का शब्दकोश: जयलाल वर्मा, कोटद्वार।
7. गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति: डॉ० मुक्तिनाथ यादव, लोकभित्त, दिल्ली।
8. गढ़वाली व्याकरण की रूपरेखा: अयोध्याय बहुगुणा, गढ़वाल साहित्य मण्डल, दिल्ली।
9. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य: डॉ० हरिदत्त भट्ट 'शैलेष', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

[Handwritten signatures and initials]

(66)

SEMESTER IX**CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE**

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : गढ़वाली भाषा	4	3	1	0		Nil

Master's in Core SubjectProgramme: – HindiYear: V Semester: IX Paper- GECourse Code: GEu

Course Title: गढ़वाली भाषा

CO 1. साहित्य की नई पद्धति में क्षेत्रीय भाषा के अध्ययन का महत्त्व बढ़ा है। गढ़वाली भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी गढ़वाली और गढ़वाली भाषा का चिन्तन एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 2 . शिक्षार्थी गढ़वाली के व्याकरणिक स्वरूप व इसकी विशिष्ट वर्णमाला का रचनात्मक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 3. शिक्षार्थी गढ़वाली के भाषिक स्वरूप का सैद्धांतिक ज्ञान व परिचय प्राप्त करता है।

Credits: 4

Generic Elective

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	गढ़वाल शब्द की व्युत्पत्ति : विभिन्न मत, गढ़वाली की मानक वर्तनी।	12

Dr. Anurag Singh

(6A)

Unit II	गढ़वाली भाषा का विकास : उद्भव और क्रमिक विकास, गढ़वाली भाषी क्षेत्र, गढ़वाली की विविध बोलियाँ	12
Unit III	गढ़वाली का व्याकरण : वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी, लिपि	12
Unit IV	गढ़वाली शब्द : संरचना - गढ़वाली शब्दसम्पदा(शब्द समूह), वर्गीकरण, गढ़वाली के कोश विषयक कार्य ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ -

1. गढ़वाली भाषा और संस्कृति : डॉ० मुक्तिनाथ यादव, लोकभित्र प्रकाशन, दिल्ली।
2. गढ़वाली भाषा का शब्दकोश: जयलाल वर्मा, कोटद्वार।
3. गढ़वाली भाषा की शब्द संपदा: रमाकांत वैजवाल,
4. गढ़वाली व्याकरण की रूपरेखा: अयोधयधु बहुगुणा, गढ़वाल साहित्य मण्डल, दिल्ली।
5. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य: डॉ० हरिदत्त भट्ट 'सैलेष', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. उत्तराखण्ड समग्र ज्ञानकोश: डॉ० राजेन्द्र प्रसाद बलौदी, विनस्तर पब्लिशिंग कंपनी, देहरादून।
7. उत्तराखण्ड का जन इतिहास, लोकसंस्कृति एवं समाज: डॉ० विजय बहुगुणा, समयसाक्ष्य, देहरादून।
8. उत्तराखण्ड की लोकगाथाएँ-एक विवेचन: डॉ० प्रयाग जोशी, समय साक्ष्य, देहरादून।
9. गढ़वाली गद्य परंपरा-इतिहास से वर्तमान: डॉ० अनिल ऊबवाल, समुज प्रासेस, दिल्ली।
10. मध्य हिमालय, भाषा, लोक और प्राचीन स्थान-नाम: तारार्चंद त्रिपाठी,

सहपाठ
महेश

(69)

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial		
DISSERTATION	6	2	2		Nil

Master's in Core SubjectProgramme: - Hindi

Year: V

Semester: IX

Paper- DISSERTATIONCourse Code: DISSERTATIONCourse Title: DISSERTATIONCourse Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
 CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
 CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
 CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits: 6

Topic

Unit

No. of

Dr. Anurag K. Singh

Dr. Anurag K. Singh

62

		Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III	Academic Project/ Entrepreneurship	
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		

Seen
Jat
Mun
AM

10

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial/Practical/Practice		
DSC : भारतीय साहित्य	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject

Programme: -HINDI

Year: V Semester: X Paper: DSC

Course Code: DSC¹⁰ Course Title: भारतीय साहित्य

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी भारंगपता की मूल भावना, भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति तथा समाजवाच्य में परिचित होता है।
 CO2. शिक्षार्थी अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के हिन्दी अनुवाद और अध्ययन की समझाओं से परिचित होता है।
 CO3. शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के समग्र स्वरूप और महत्व का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO4. शिक्षार्थी भारत के दक्षिणी भाषा वर्ग (मलयालम, तमिल, तेलुगु व कन्नड़), पूर्वी भाषा वर्ग (उड़िया, उगता, असमिया व मणिपुरी तथा पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग (मगही, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी व उर्दू) के साहित्य का सामान्य परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित अद्वितीय पुस्तकों के अध्ययन में भारतीय साहित्य का स्थानात्मक परिचय व ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO6. शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन में जनसंपर्क के स्तर पर राष्ट्र की एकता, सम्पूर्णता, विगटता व अष्टादता का साक्षात्कार करता है।
 CO7. शिक्षार्थी में राष्ट्रगीत और राष्ट्रग्राम की भावना का विकास होता है।

Credits: 4

Discipline Specific Course

[Handwritten signatures and initials]

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	1. भारतीय साहित्य का स्वरूप 2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं 3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का निम्न 4. भारतीयता का समाजशास्त्र 5. हिन्दी साहित्य में प्रतिबिम्बित भारतीय मूल्य	15
Unit II	दक्षिणात्य भाषा वर्ग : तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम पूर्वांचल भाषा वर्ग : उड़िया, बंगाली, असमिया, मणिपुरी	25
Unit III	पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग: मराठी, गुजराती, कश्मीरी, पंजाबी, उर्दू उपरोक्त भाषाओं के साहित्य का परिचय, विशेषताएं व प्रतिनिधि रचनाकार	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	05

सहायक ग्रंथ -

1. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : एहलेशाम हुसैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नगदी और उसका साहित्य : प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य की भूमिका- रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय साहित्य : मूलबंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय साहित्य : तर्स्कीकांत पांडेय एवं प्रमिला अवस्थी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद





SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject	
GROUP- I	
Programme: <u>HINDI</u>	
Course Code: <u>DSE14</u>	Year: V Semester: <u>X Paper-DSE</u>
Course Title: <u>उत्तराखंड के हिन्दी कवि</u>	
Course Outcomes:	
CO1. आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिवर्धन प्राप्त करता है।	
CO2. गुमनामी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक राजनीतिक स्थितियों के सर्जीव चित्र प्रस्तुत करती है। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमनामी के कृतित्व का ऐतिहासिक- रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।	
CO3. चन्द्रकुंवर बर्तल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।	

Handwritten signatures and initials:

[Signature]

[Signature]

[Initials]

CO-4. लीलाधर जगूड़ी साठवीं हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात् मोहनराय और अवसाद से लड़ रहे आन्दोलित देश और समाज का स्वर कविता का आदिमिक स्वर है। वे आव भी सक्रिय और रचनाकार हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO-5. बंतिन डंगवाल एवं मंगलेश डबवाल समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए संस्थापक हैं। उनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO-6. राजेश सकलानी समकालीन हिन्दी कविता में नव्वे के दशक के प्रमुख कवि हैं। देश में उदारवाद, भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रश्न उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO-7. शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Discipline Specific Elective

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	कहें गुमनामी, चपन तथा सम्पादन - उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (ब्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	05
Unit II	कितने फूल खिले - चंद्रकुंवर बर्वाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (ब्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (ब्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबवाल, राजकमल प्रकाशन, (ब्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - बंतिन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (ब्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit VI	राजेश सकलानी - (ब्याख्या के लिए विलुप्त पहाड़, पुलों का बयान, हमसे उम्मीद करो, खिलौने, खामोश बच्ची कविताएँ)	10
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		5

सहायक ग्रंथ -

1. लोकतल गुमनामी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली.
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) - सम्पादक प्रमोद कौसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर बर्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगेश्वर सिंह यर्याल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

(Signatures)

95

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial/Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कयाकार	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject

Programme: **HINDI**

Year: V Semester: X Paper- DSE

Course Code: DSEs

Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कयाकार

Course Outcomes:

CO1. हिन्दी के प्रेमचंदोत्तर कया साहित्य में उत्तराखंड राज्य के कयाकारों का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान व स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कयाकारों के समग्र योगदान और महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी के उपन्यास साहित्य में उत्तराखंड के उपन्यासकारों का कृतित्व का परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास कल्प के अध्ययन से हिन्दी साहित्य में विकसित हो रहे नवीन उत्तराधुनिक कथ्य (स्थानीय-आंचलिक एवं मुक्त-स्तोत्र) एवं कृतित्व का परिचय तथा उसका वैद्वान्तिक आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

(Handwritten signatures and marks)

- CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास पहाड़ चोर के अध्ययन से उत्तराखण्ड के लोक जीवन का परिचय तथा बदलते जीवनमूल्यों व सामाजिक संरचनाओं का सैद्धांतिक आलोचनात्मक प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी तथा उसके प्रमुख आंदोलनों अथवा प्रवृत्तियों (मनोविज्ञानिक कहानी, नयी कहानी, प्रगतिशील कहानी, अकहानी, आंचलिक अकहानी आदि) में उत्तराखण्ड के कहानीकारों के महत्वपूर्ण रचनात्मक योगदान का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO6. शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Elective		No. of Hours
Unit	Topic	
Unit I	मनोहररथाम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20
Unit II	सुभाष पन्त : पहाड़ चोर (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20
Unit III	सात कहानियाँ (1. रज्जो-रमाप्रसाद धिल्लियाल 'पहाड़ी', 2- अद्वैतीय- शैलेश मटियानी, 3. कोसी का घटवार - रंजित जोशी, 4. फट ला पंचवार-विद्यासागर मटियाल, 5. छाका-मोहन सपलियाल, 6. पात - नवीन कुमार शर्मा 7- वेंटे की माँ - कुसुम भट्ट) संपा. डा० मुक्तिनाथ यादव : कथा सप्तक (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	15
		5

सहायक ग्रंथ -

1. पालतू बोंहेंमियन : प्रभात रंजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. बाते - मुलाकाते : मनोहररथामजोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सुभाष पन्त : सृजन और रचना कौशल : सविता मोहन
4. पत्रकारिता के युग निर्माता : मनोहर रथाम जोशी : प्रभात रंजन , प्रभात प्रकाशन दिल्ली .
5. कथा पुरुष शैलेश मटियानी : प्रकाश मनु , आलेख प्रकाशन

Dr. Ravi

Signature

(76)

SEMESTER-X**CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE**

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial/Practical		
DSE : आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर)	4	3	1		Nil

Master's in Core Subject

Programme: - Hindi

Year: V Semester-X Paper- DSE

Course Code: DSE-6

Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर)

Course Outcomes:

- CO1. निम्नलिखित हिन्दी कविताओं और उनकी विभिन्न काव्यपाठों तथा प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, सादोलती कविता, मनकालीन कविता आदि का खण्डन व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. निम्नलिखित हिन्दी के अध्ययन से भारतीय दर्शन की परम्परा से परिचित होता है तथा आधुनिक संसार में उसकी पुनर्जागरण का स्थान करता है, जिससे उसे नैतिक तथा सामाजिक, स्वतंत्रता, ऊँच-नीच आदि से ऊपर उठकर संसार को समझने की चेतना, प्रेरणा व ज्ञान प्राप्त होता है।
- CO3. निम्नलिखित नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताओं के अध्ययन से प्रगतिशील हिन्दी कविता के स्रोत सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करता है। वह देश की वंशिक, विपन्न, शोषित व अल्पसंख्यक की गिरावट तथा जनता की पीड़ा और संघर्ष को समझने की प्रेरणा पाता है तथा कविता में उस पीड़ा और संघर्ष की अभिव्यक्ति से काव्य-प्रयोजन की एक सर्वोच्च मूल्य प्राप्त करता है।
- CO4. निम्नलिखित अक्षय, मुक्तिबोध, रामरंग बहादुर सिंह, नरसिंह, कंदारनाथ सिंह, लीलाधर जगड़ी, अशोक वाजपेयी आदि की कविताओं के अध्ययन से प्रयोगवाद, नयी कविता, मनकालीन कविता आदि का खण्डन व सैद्धान्तिक ज्ञान सौदाहरण प्राप्त करता है।

Handwritten signatures and initials are present at the bottom of the page.

CO5. शिक्षार्थी छायावादोत्तर काल की हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			Discipline Specific Elective
Credits:4			No. of Hours
Unit	Topic		
Unit I	छायावादोत्तर हिन्दी कविता का परिचय। प्रमुख काव्यान्दोलन		10
Unit II	समकालीन हिन्दी कविता		10
Unit III	रामधारी सिंह 'नगार्जुन': उर्वशी (व्याख्या के लिए केवल तृतीय सर्ग) प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद		10
Unit IV	चैतनाथ सिंह 'नगार्जुन': नगार्जुन की प्रतिनिधि कविताएँ, (उनको प्रणाम, बादल को घिरते देखा है, मेरी भी आभा है इसमें, प्रतिबद्ध है, वो हमें चेतावनी देने आये थे, सिन्दूर विलकित मात, वह दन्तुलित मुस्कान, यह तुम थीं, गुलाबी चूड़ियों, खुदरे फेर, पिन तो नहीं आती है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद, आलो रानी हम दोबोले घातकी, शासन की बन्दूक) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।		10
Unit V	समय रण - संपादक: डा. मधुबाला नयात: (व्याख्या हेतु सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अंत्य', गजानन माधव मुक्तिबोध, रामेश्वर बहादुर, नेरत मेहता, कैदालास सिंह, असोक राजपेयी, तीलाधर जगुदी और अरुण कमल की सभी रचनाएँ), ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।		10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		

सहायक ग्रंथ -

1. कल्पना का उर्वशी विवाद : गोंपेश्वर सिंह, शान्ति प्रकाशन, नई दिल्ली
2. समकालीन हिन्दी कविता : ए अविद्यादास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. नई कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
4. कई उग्रों की कविता: शिरीष कुमार मोर्य, आधार प्रकाशन
5. नगार्जुन और उनकी कविता : नंदकिशोर नवल राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
6. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,

Green

Signature

10

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject

GROUP-2

Programme: HINDI

Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि

Course Code: DSE-4

Year: V

Semester: X Paper-DSE

Course Outcomes:

- CO1. आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से समझ पाएगा।
- CO2. गुप्तानी ने भारतीय युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक-राजनैतिक स्थितियों के संजीव चित्र प्रस्तुत करती है। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुप्तानी के कृतित्व का ऐतिहासिक-रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. चन्द्रकुंवर बख्शी छायबाद और प्रगतिवाद के संघर्षकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. रत्नाकर जगूड़ी साठालारी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष परचात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनात्मक हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

Handwritten signatures and initials.

96

CO5. बीतन इग्यात एव बंगलेन इबतल सम्प्रतीन हिन्दी कविता में अस्ती के दराक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए चक्रवर्त हैं। शिकते अन्विष्टाते जनसाधारण की मनस्वाओं और सच्यों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. गङ्गा सम्प्रतीन हिन्दी कविता में नवों के दराक के प्रमुख कवि हैं। देना में उदारवाद, भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रेम और उनकी कविता का विषय है। शिक्षार्थी उनके कृतित का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी सम्प्रतीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रतिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Elective

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	कई गुमानी, चलन तथा सम्पादन - उमा मठ, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit II	स्वने फूल खिले - चंद्रकुंवर वर्तमान, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - सीताधर जगुड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश ठबरा, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - शरित ठगवात, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit VI	रंजना सकलानी - (व्याख्या के लिए विस्तृत पहाड़, पुस्तों का बयान, हमसे उम्मीद करो, विज्ञान, चामोरा बर्ची कविताएँ)	5
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		5

सहायक ग्रंथ -

1. मौकलस गुनानी : उमा मठ, साहित्य अकादमी नई दिल्ली.
2. आता ही कोई नया मोड़ (सीताधर जगुड़ी : जीवन और कविता) - सम्पादक प्रमोद कौसवाल, बाणो प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर वर्तमान का जीवन दर्शन : डॉ. योगेश्वर सिंह वर्तमान, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

[Handwritten signatures and initials]

80

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial/Practical		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject

Programme: **HINDI**

Year: **V Semester X Paper- DSE**

Course Code: **DSE's**

Course Title: **उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार**

Course Outcomes:

CO1. हिन्दी के प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य में उत्तराखंड राज्य के कथाकारों का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान व स्थान है। शिक्षार्थी इन परम्परा और उनमें उत्तराखंड के कथाकारों के समग्र योगदान और महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी के उपन्यास साहित्य में उत्तराखंड के उपन्यासकारों का कृतित्व का परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास कसप के अध्ययन से हिन्दी साहित्य में विकसित हो रहे नवीन उत्तराधुनिक कथ्य (स्थानीय-आंचलिक एवं मुक्त-स्वोच्च) एवं चिन्तन का परिचय तथा उसका सैद्धान्तिक आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास पहाड़ चोर के अध्ययन से उत्तराखंड के लोक जीवन का परिचय तथा बदलते जीवनमूल्यों व सामाजिक संरचनाओं का सैद्धान्तिक आलोचनात्मक प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी तथा उसके प्रमुख आंदोलनों अथवा प्रवृत्तियों (मनोवैज्ञानिक कहानी, नयी कहानी, प्रगतिशील कहानी, आंचलिक कहानी आदि) में उत्तराखंड के कहानीकारों के महत्वपूर्ण रचनात्मक योगदान का ज्ञान प्राप्त करता है।

Green
W/B

CO6. शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Elective	
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	मनोहरस्याम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20	
Unit II	सुभाष पंत : पहाड़ पोर (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20	
Unit III	सात कहानियाँ (1. रज्जो-रमाप्रसाद चिह्णियाल 'पहाड़ी', 2. अदागिनी- शैलेश मटियानी, 3. कोत्ती का पटवार - शेखर जोशी, 4. फट जा पंचवार-विद्यासागर नौटियाल, 5. छाका-मोहन धर्मलियाल, 6. पारस - यतीन कुमार श्यामनी 7-बंदे की माँ - कुसुम भट्ट) संपा. डा० मुक्तिनाथ यादव : कथा सप्तक	15	
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		5	

सहायक ग्रंथ -

1. पालवू वॉहेमियन : प्रभात रंजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. वार्ते -मुत्ताकतें : मनोहरस्यामजोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मेरे साक्षात्कार : रमेशचंद्र शाह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. वाद-संवाद : रमेशचंद्र शाह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. संवेद- मुझे अच्छी तरह से देव (रमेशचंद्र शाह पर केंद्रित अंक), वर्ष 10 अंक 5-6, मई-जून 2018, प्रकाशक -<https://notnol.com>

Green
Am
Sh

(67)

SEMESTER-X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial/Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject

Year: V Semester: X Paper- GE

Programme: - Hindi

Course Code: GPU

Course Title: विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद

Course Outcomes:

CO1. प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माताओं में अग्रणी हैं। उनके उपन्यासों और कहानियों ने हिन्दी में कथा साहित्य को एक स्थायी एवं नराम्य आधार प्रदान किया है। उनमें उनकी परम्परा में कथा लेखन होता है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी कथा साहित्य की परम्परा और उसमें प्रेमचंद के योगदान एवं महत्व का ऐतिहासिक परिच्छेद प्राप्त करता है।

CO2. गैंगुलि उपन्यास स्वतंत्रतापूर्वक भारत की बदल रही राजनीतिक-आर्थिक स्थितियों और सामाजिक जीवनमूल्यों के बीच सम्बन्धों को कथा कहता है। अत्यन्त उचित और विवेकपूर्ण चित्रणों को माध्यम बनाते हुए इस उपन्यास से अध्ययन शिक्षार्थी उन आर्थिक दिशाओं और सामाजिक स्थितियों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम का सामना करना था।

CO3. शिक्षार्थी प्रेमचंद के उपन्यासों के शिल्प का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी कुछ विचार नामक संग्रह में संकलित प्रेमचंद के निबंधों के अध्ययन से उनके राजनीति, आर्थिक और सामाजिक विचारों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है।

Signature: [Signature] Date: [Signature]

(23)

C'05. प्रेमचंद जन साधारण के जीवन के कहानीकार है। उनकी प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से शिक्षार्थी प्रेमचंद की कहानियों के अन्तर्द्वन्द्व और मिलन का गहन्य प्राप्त करता है।
C'06. शिक्षार्थी प्रेमचंद के साहित्य पर विशेषज्ञता प्राप्त करता है, जो परस्त्री उच्चस्तरीय सोपादि कार्यों में सहायक होती है।

Credits: 4

Generic Elective		No. of Hours
Unit	Topic	
Unit I	रंगभूमि	20
Unit II	कुछ विचार	15
Unit III	प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद - सम्पादक : श्रीपसाहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	20
		5

सहायक प्रश्न -

1. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद के विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद के आचार्य : अरविदाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद एक विवेचन: ईन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनकी युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन मोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रेमचंद - जलम का शिपही : अग्रनाराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद (राजकमल प्रकाशन रामपुर, नई दिल्ली का अनुप्रेषण)

[Handwritten signatures and marks]

SEMESTER-X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject

GROUP-3

Programme: HINDI

Course Code: DSE4

Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि

Year: V

Semester: X Paper-DSE

Course Outcomes:

CO1. आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

CO2. गुनानों ने भारतीय युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक- राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुनानों के कृतित्व का ऐतिहासिक-रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. चन्द्रकुंवर बर्तान् छायावाद और प्रगतिवाद के मधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. लीनाग्र जगुड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष परचात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आधुनिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।







CO5. वीरेन्द्र डंगवाल एवं मंगलेश डबराल-समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रागतिशील परम्परा के नए चञ्चलक हैं। उनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. राजेश सकलानी समकालीन हिन्दी कविता में प्रमुख हस्ताक्षर है। देश और उत्तराखण्ड में पहाड़ उदारवाद, निजीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Elective		
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	कहै गुमानी, चयन तथा सम्पादन - उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पाँच कविताएँ)	10
Unit II	किन्तुने फूल खिले - चंद्रकुंवर वर्तवाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पाँच कविताएँ)	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की पाँच कविताएँ)	10
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पाँच कविताएँ)	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - वीरेन्द्र डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पाँच कविताएँ)	10
Unit VI	राजेश सकलानी (व्याख्या के लिए विस्तृत पहाड़, पुस्तों का वयान, हमसे उम्मीद करो, खिलौने, खामोश बच्ची कविताएँ)	5
(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		5

सहायक ग्रंथ -

1. लोकल गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली,
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) - सम्पादक प्रमोद कौसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर वर्तवाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगेश्वर सिंह वर्तवाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

[Handwritten signatures and initials]

SEMESTER X**CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE****TEACHING HOURS - 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject**Programme: - Hindi****Year: V Semester: X Paper- GE****Course Code: GE33****Course Title: विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद****Course Outcomes:**

CO1. प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माताओं में अग्रणी हैं। उनके उपन्यासों और कहानियों ने हिन्दी में कथा साहित्य को एक स्थायी एवं सशक्त आधार प्रदान किया है। आज भी उनकी परम्परा में कथा लेखन होता है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी कथा साहित्य की परम्परा और उसमें प्रेमचंद के योगदान एवं महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2. रंगभूमि उपन्यास स्वतंत्रतापूर्व के भारत की बदल रही राजनीतिक-आर्थिक स्थितियों और सामाजिक जीवनमूल्यों के बीच सम्बन्धों की कथा कहता है। अत्यन्त बंचित और विपन्न अंधे भिखारी को नायक बनाने वाले इस उपन्यास से अध्ययन शिक्षार्थी उन आर्थिक दिशाओं और सामाजिक स्थितियों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है, जिन्होंने स्वतंत्रता पश्चात् देश का सामना करना था।

CO3. शिक्षार्थी प्रेमचंद के उपन्यासों के शिल्प का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी कुछ विचार नामक संग्रह में संकलित प्रेमचंद के निबंधों के अध्ययन से उनके राजनीति, आर्थिक और सामाजिक विचारों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. प्रेमचंद जन साधारण के जीवन के कहानीकार हैं। उनकी प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से शिक्षार्थी प्रेमचंद की कहानियों के अन्तर्बस्त और शिल्प का परिचय प्राप्त करता है।

[Handwritten signatures and initials]

CO6. शिक्षार्थी प्रेमचंद के साहित्य पर विशेषज्ञता प्राप्त करता है, जो परवर्ती उच्चस्तरीय शोधदि कार्यों में सहायक होती है।

Credits:4		Generic Elective	
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	रंगभूमि	20	
Unit II	कुछ विचार	15	
Unit III	प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद - सम्पादक : भीष्मसाहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	20	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5	

सहायक प्रश्न -

1. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद के विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद के आयाम : अरविदाहन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद एक विवेचन: इंदुनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रेमचंद - कलम का सिपाही : अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद(राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली का अनुपम)

[Handwritten signatures and initials]

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial/Practical		
GE : विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	4	3	1	0	Nil

Master's in Core Subject

Programme: – Hindi

Year: V Semester: X Paper: GE

Course Code: GE14

Course Title: विशिष्ट अध्ययन : सूरदास

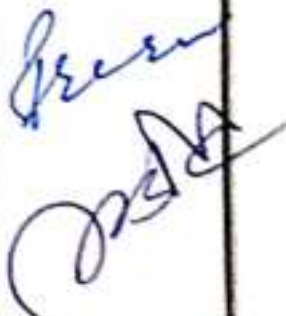
Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल का ऐतिहासिक परिपक्ष तथा रीत्यान्तिके ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी भारतीय दर्शन में ईश्वर के स्वरूप पर हुई भीमता का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी भारतीय अध्यात्म एवं भक्ति में ज्ञानयोग की निर्गुणधारा और भ्रम माधुर्य की सगुणधारा के विपरीत ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी लोक और प्रकृति के कार्य-व्यवहार का रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी ईश्वर की स्तीकिकता और उससे सम्भव हुई संसार और समाज की शुभता का रचनात्मक परिपक्ष तथा रीत्यान्तिके ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO6. शिक्षार्थी उच्च जीवन मूल्यों तथा नीतिकला का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Generic Elective

Unit	Topic	No. of Hours
------	-------	--------------




69

Unit I	सूरसागर सार - संपा. धीरन्द्र वर्मा: चयनित 25 पद टिप्पणी: सूरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।	25
Unit II	सैद्धान्तिक अध्ययन हेतु : सूरदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली	25
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars. Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सूर-साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सूरदास : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. नशाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सूर-विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सूरदास -
प्रश्न -
अज्ञेय

(7)

SEMESTER X**CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE****TEACHING HOURS - 90**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial/Practical		
DSE : DISSERTATION	6	2	2		Nil

Master's in Core Subject**Programme: - Hindi****Year: V****Semester: X Paper- DISSERTATION****Course Code: DISSERTATION****Course Title: DISSERTATION****Course Outcomes:**

- CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
 CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
 CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
 CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits: 6

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I	Dissertation on Major	

[Signature] *[Signature]* *[Signature]*

(9)

OR			
GROUP II	Dissertation on Minor		
OR			
GROUP III	Academic Project/ Entrepreneurship		
	(Tutorial, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		

Green
2/12